महिलाएं चलाती हैं बस 8% एंटरप्राइज

■ ईटी ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में कुल 8.75 लाख प्रतिष्ठान या उद्यम काम कर रहे हैं, जिनमें करीब 30 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। सबसे ज्यादा 42.3 पर्सेंट प्रतिष्ठान ट्रेड से जुड़े हैं, जबकि 17.8 पर्सेंट मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों से। लेकिन रोजगार के लिहाज से करीब एक तिहाई लोग सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग यूनिटों में काम कर रहे हैं।

सोमवार को जारी दिल्ली के छठे आर्थिक गणना आंकड़ों में यह खुलासा हुआ। फरवरी से जून-2013 में हुए सर्वे के मुताबिक राजधानी में सभी तरह के प्रतिष्ठानों की संख्या 1.94 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रही है। पांचवीं आर्थिक गणना साल-2005 में हुई थी, तब दिल्ली में 7.58 लाख उद्यम थे।

दिल्ली की आर्थिक गणना के नतीजे

गणना रिपोर्ट में कहा गया है कि औसतन हर प्रतिष्ठान में करीब 7 लोग काम कर रहे हैं। लेकिन 3.98 लाख (45 फीसदी) में ही एक से ज्यादा कामगार रखे गए हैं। 91 पर्सेंट प्रतिष्ठान निजी स्वामित्व में काम कर रहे हैं। 3.7 लाख प्रतिष्ठान व्यापार से जुड़े हैं, जबकि 1.56 लाख मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों से। 73,000 प्रतिष्ठान ट्रांसपोर्टेशन और स्टोरेज के काम से जुड़े हैं, जबकि 50,000 खानपान से। कुल कामगारों का 33.2 पर्सेंट या करीब 10 लाख लोग मैन्युफैक्चरिंग प्रतिष्ठानों में काम कर रहे हैं, जबकि 8.6 लाख (28.4 पर्सेंट) व्यापार क्षेत्र में काम कर रहे हैं। करीब 1.8 लाख लोग ट्रांसपोर्ट से जुड़े हैं। 7.8 लाख प्रतिष्ठानों में कामगारों की संख्या 1 से 5 है, जबकि 57,000 में 6 से 10 कामगार लगे हैं।

गणना रिपोर्ट जारी करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि 70,434 (8 पर्सेंट) प्रतिष्ठान महिला उद्यमियों द्वारा संचालित होते हैं और उनमें करीब 1.6 लाख लोग काम करते हैं।

15 मार्च 2016

15 मार्च, 2016

सर्विस सेक्टर पर टिकी दिल्ली की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली (एसएनबी)। कई दशकों से राजधानी की अर्थव्यवस्था सर्विस सेक्टर पर टिकी है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार राजधानी की अर्थव्यवस्था में सर्विस सेक्टर का योगदान 78.12 प्रतिशत है। इसमें व्यापार, निर्माण संबंधी गतिविधि तथा परिवहन संबंधी गतिविधि में ही राजधानी के 68 प्रतिशत लोग निर्भर हैं। ये तीनों क्षेत्र लोगों को सबसे ज्यादा रोजगार देते हैं। राजधानी के 30,19,781 लोग करीब आठ लाख उद्यमों से जुड़े हैं तथा इस प्रकार के एक उद्यम में चार लोग जुड़े हैं।

छठी आर्थिक जनगणना की रिपोर्ट उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को जारी की जिसमें इन तथ्यों का खुलासा किया गया है। इस आर्थिक गणना रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी के शहरी क्षेत्र में काम करने वालों की संख्या 29,92,171 है जो कुल कामकाजी लोगों का 99.1 प्रतिशत है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वालों की संख्या 27,610 है जो कामकाजी लोगों की कुल संख्या का 0.9 प्रतिशत है।

लोगों के कामकाज के लिहाज से कार्यस्थलों की सबसे ज्यादा संख्या राजधानी के सेंट्रल जिले में है जहां 1.5 लाख काम धंधे करने की जगह है जिससे लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। दूसरे नंबर पर पश्चिमी जिला है जहां 1.06 लाख कार्यस्थल है। उत्तरी पश्चिमी जिले में 93297, उत्तरी पूर्वी जिले में 86597, पूर्वी जिले में 80061, दक्षिण पूर्वी जिले में 75049, उत्तरी जिले में 73724, शाहदरा में 71738, दक्षिणी में 57126 तथा नई दिल्ली में सबसे कम 38153 कार्यस्थल हैं। लगभग 90 प्रतिशत कार्यस्थल पर एक से पांच लोग काम करते हैं।

- व्यापार, निर्माण गतिविधि तथा परिवहन संबंधी व्यवसाय है इसमें शामिल
- शहरी दिल्ली में कामकाजी 99 प्रतिशत लोग हैं कामकाजी, ग्रामीण क्षेत्र में 0.9 प्रतिशत
- इंश्योरेंस कारोबार, मोटर रिपेयर जैसे काम से भी खूब कमा रहे हैं लोग

शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी कारोबार से जुड़ रहे हैं काफी लोग

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी में जीविकोपार्जन करने वालों में सबसे ज्यादा लोग निर्माण गतिविधि से जुड़े हैं लेकिन कई छोटे कारोबार में भी खूब इजाफा हुआ है। छठे आर्थिक गणना के मुताबिक राजधानी के लोग खानपान के करोबार, शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी कारोबार, इंश्योरेंस कारोबार, मोटर रिपेयर जैसे काम से भी खूब जीविकोपार्जन कर रहे हैं। छठे आर्थिक गणना के मुताबिक राजधानी के 4.69 प्रतिशत लोग खान पान संबंधी कारोबार से जुड़ गए हैं। यह भी तेजी से बढ़ता कार्यक्षेत्र है। इसके बाद शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा के जुड़ा कारोबार है। थोक व्यवसाय करने का काम भी बढ़ रहा है तथा 3.63 प्रतिशत लोग इस क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके बाद रोजगार के दृष्टिकोण से मोटर रिपेयर व तकनीकी गतिविधि से संबंधित काम हैं। इंश्योरेंस के क्षेत्र में राजधानी के 2.07 लोग जुड़े हैं जबकि रियल इस्टेट में 1.5 प्रतिशत लोग जुड़े हैं।

दिल्लीजागरण 15 मार्च 2016

www.jagran.com

रोजगार के लिए छोटे प्रतिष्ठानों पर निर्भर है दिल्ली

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : रोजगार के लिए दिल्ली छोटे प्रतिष्ठानों पर निर्भर है। राजधानी में कुल प्रतिष्ठानों में इनकी हिस्सेदारी 90 फीसद है, जहां एक से लेकर पांच कर्मियों को रोजगार मिलता है। यह तथ्य छठी आर्थिक गणना की रिपोर्ट में सामने आया है। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा फरवरी 2013 से जून 2013 की रिपोर्ट को दिल्ली सरकार ने जारी किया है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2005 के मुकाबले श्रमजीवी प्रतिष्ठानों में 1.94 फीसद की वार्षिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2005 में 7.58 लाख श्रमजीवी प्रतिष्ठान थे जो 2013 में बढ़कर 8.75 लाख हो गए। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली में 90 फीसद (7.96 लाख) प्रतिष्ठान निजी स्वामित्व के हैं। इसमें करीब 34 फीसद (4.70 लाख) श्रमिकों को निश्चित मानदेय पर रखा जाता है। 4.05 लाख श्रमिक अनिश्चित मानदेय पर घर में या किसी और जगह काम करते हैं। दिल्ली में 30.2 लाख लोग इन प्रतिष्ठानों में काम करते है। इनमें महिलाओं की संख्या महज 12.5 फीसद है। दिल्ली में काम करने वाली महिलाओं की संख्या 3.8 लाख है, जबकि पुरुषों की संख्या 26.4 लाख है।

मध्य दिल्ली सबसे आगे : प्रतिष्ठानों की वृद्धि दर में मध्य दिल्ली अन्य जिलों के मुकाबले सबसे आगे है। मध्य दिल्ली में 1.5 लाख प्रतिष्ठान हैं। इनमें नियोजित व्यक्तियों की संख्या के मामले भी मध्य दिल्ली आगे है। यहां रोजगार की संख्या 6 लाख रही। सबसे पीछे दक्षिणी पूर्व जिला रहा, जहां रोजगार की संख्या 3.5 लाख रही। शाहदरा में 71738 प्रतिष्ठान हैं।

क्या कहती है रिपोर्ट

- 8.63 लाख (98.6 फीसद) श्रमजीवी प्रतिष्ठान शहरी क्षेत्र में व 12441 (1.4 फीसद) ग्रामीण क्षेत्र में हैं
- 6.5 फीसद प्रतिष्ठान (57200) ऐसे हैं, जिनमें कर्मियों की संख्या 6 से 9 तक है। 3.3 फीसद प्रतिष्ठानों (29101) में कर्मियों की 10 से 99 तक है
- 0.17 फीसद प्रतिष्ठान (1516) ऐसे हैं, जिनमें 100 या इससे अधिक लोग काम करते हैं

- 4.05 लाख श्रमिक अनिश्चित मानदेय पर घर में या किसी और जगह काम करते हैं
- वर्ष 2005 के मुकाबले श्रमजीवी प्रतिष्ठानों में 1.94 फीसद की वार्षिक वृद्धि हुई

जिलेवार स्थिति

जिलो	प्रतिष्ठान
पश्चिमी	1.06
उत्तर-पश्चिम	93297
उत्तर-पूर्व	86597
पूर्वी	80061
दक्षिण-पूर्व	75049
उत्तरी	73724
दक्षिणी	57126
दक्षिण पश्चिम	42166
नई दिल्ली	38153

Employment rate drops in Delhi, but entrepreneurship on the rise

Delhi has 8.75 lakh pvt establishments, of which only 8.05 per cent are managed by women entrepreneurs

STAFF REPORTER

Employment rate in private establishments in Delhi dipped at an annual rate of 2.33 per cent between 2005 and 2013. As per the 6th Economic Census data, released by the Delhi government on Monday, men employment in private establishments in these eight years saw a dip of 19 per cent while women employment decreased by 16.4 per cent.

According to the census data, collected between February and June 2013, the number of men and women hired by private establishments stood at 20.49 lakh in comparison to 25.20 lakh hired during the same period in 2005 when the 5th Economic Census was carried out by the Delhi government. In a media statement, Deputy Chief Minister Manish Sisodia said the latest data suggested that Delhi has a total of 8.75 lakh private establishments, of which only 8.05 per cent are being managed by women entrepreneurs.

"Of these total 8.75 lakh establishments, 3.7 lakh were engaged in trade, followed by 1.56 lakh in manufacturing activity, 72,572 in transportation and storage and 48,051 in accommodation and food service activities," Mr. Sisodia said.

The first Economic Census was conducted in 1977 while the second, third, fourth and fifth census were carried out in the year 1980, 1990, 1998 and 2005 respectively. The census includes all types of entrepreneurial activities in the field of agriculture, except crop production and plantation, as well as non-agriculture, except public administration and defence services.

NUMBER STORY
Economic Census

Central Delhi district shows highest number of establishments followed by West Delhi district

Of the total establishments, 70,434 (8 per cent) are managed by women entrepreneurs in Delhi, employing around 1.6 lakh people. Going by the employment data, Central Delhi district shows the highest number of establishments (1.5 lakh), followed by West Delhi district with 1.06 lakh establishments, North-West district 93,297, north-east district 86,597, east district 80,061, south-east district 75,049, north district 73,724, Shahdara district 71,738, South district 57,126, south-west district 42,166 and the lowest in New Delhi with 38,153 establishments, says the report.

In terms of number of people employed, again Central district excels with around 6 lakh (19.8 per cent) of the total employment, followed by south-east with 3.5 lakh (11.7 per cent). For the first time, information on handicraft and handloom establishments was collected in the Sixth Economic Census.

The total number of handicraft/handloom establishments has been reported at 9,260 with 35,553 people engaged in them. Of the total, 8,615 establishments were running under the ownership of male proprietors as against 13 per cent under female proprietors. Central district (2,048) has witnessed the highest concentration of handicraft/handloom establishments, followed by North-East district (1,459) and West (1,044).

ENTERPRISING DELHI

Highlights of 6th Economic Census

- **18.65%** dip in employment in Delhi
- **34,00,526** people were employed in **2005**; 29,84,850 employed in **2013**
- **16.4%** drop in women employment
- **2,96,417** women were hired in **2005**; 2,47,794 women employed in **2013**
- **19%** drop in men employment
- **22,23,797** men hired in **2005**; 18,01,274 men hired in **2013**
- **1.94%** annual growth rate as per **6th** Economic Census
- **1,17,565** more commercial establishments in **2013** as compared to **2005**
- **8,75,308** total number of establishments during **2013**
- **98.58%** establishments in urban areas
- **7008** agricultural establishments and 8,68,300 non-agricultural
- **9,260** number of handicraft/handloom establishments
- **70,434** total women entrepreneur

हिन्दुस्तान 15 March 2016

दिल्ली में केवल आठ फीसदी महिला उद्यमी

आर्थिक रिपोर्ट

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

राजधानी में निजी क्षेत्र के उद्यमियों में महिलाओं की भागीदारी महज आठ फीसदी है। दिल्ली सरकार द्वारा सोमवार को जारी राजधानी की छठी आर्थिक रिपोर्ट के मुताबिक गैर कृषि कार्यों में लगी महिलाओं की हिस्सेदारी 8.39 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2013 में फरवरी से जून तक के बीच जुटाए गए आंकड़ों में निजी क्षेत्र के 8.75 लाख व्यापारिक प्रतिष्ठानों में 70434 का प्रबंधन महिलाओं के हाथ में है। निजी क्षेत्र में कार्यरत आबादी में महिला और पुरुषों के बीच की खाई काफी बड़ी है।

राजधानी में संचालित उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों में महिलाओं का प्रतिशत महज 19.37 है जबकि पुरुष कर्मचारी 80.63 प्रतिशत है। जबकि गैर कृषि क्षेत्र में भी मात्र 89.97 हजार महिलाएं कार्यरत हैं और पुरुष कर्मचारी 9.87 लाख हैं। इसमें सेवा क्षेत्र को शामिल नहीं किया गया।

महिलाओं द्वारा संचालित उद्योगों में 99.14 प्रतिशत उद्यम गैर कृषि क्षेत्र से जुड़े हैं। सभी महिला उद्यमी शहरी क्षेत्र में कार्यरत हैं। सिर्फ 606 महिला उद्यमी ग्रामीण या कृषि क्षेत्र के उद्यमों का संचालन कर रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में भी कार्यरत आबादी में लिंगानुपात का स्तर सुधर नहीं रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में 85.44 प्रतिशत पुरुष और 14.56 प्रतिशत महिलाएं कार्यरत हैं जबकि शहरी क्षेत्र में 91.61 प्रतिशत पुरुष और 8.39 प्रतिशत महिलाओं की उद्यमिता में भागीदारी है।

असमानता

- 8.75 लाख उद्योगों में 70 हजार का प्रबंधन महिलाओं के पास
- सिर्फ 606 महिला उद्यमी कृषि क्षेत्र में कार्यरत

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
TUESDAY, MARCH 15, 2016

Women run only 8% of businesses in Delhi, finds economic census

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Only 8% of the 8.75 lakh business establishments in Delhi are run by women, the sixth economic census said.

The census findings were released by deputy chief minister Manish Sisodia on Monday. It shows that 70,434 of the total business establishments are managed by women entrepreneurs in Delhi.

"Around 1.6 lakh persons were employed in the establishments being run by women entrepreneurs," said the report.

The census was conducted jointly by the Delhi government and the Centre from February to June 2013.

The report said there were 8.75 lakh establishments in Delhi during 2013 as compared to 7.58 lakh in 2005 at the time of fifth economic census, showing an annual growth of 1.94 %.

Of the 8.75 lakh enterprises, 12,441 (1.4%) were in rural areas and 8.63 lakh (98.6%) in urban areas.

The economic census includes all types of entrepreneurial activities in the field of agriculture (except crop production and plantation) as well as non-agriculture (except public administration and defence).

About 30.2 lakh people (27,610 in rural and 29.9 lakh in urban areas) were working in the 8.75 lakh establishments in Delhi during 2013 with an average of 3.45 people per establishment.

Of the 30.2 lakh workforce, about 3.8 lakh (12.5%) were women and 26.4 lakh (87.5%) were male.

NUMBERS TALK

- The economic census was conducted jointly by the Delhi government and the Central agencies between February and June 2013
- The total number of business establishments in Delhi grew by 1.94% as compared to 2005 data
- Women run 70,434 of the total 8.75 lakh businesses in Delhi
- Women constitute 12.5% of the workforce in Delhi's businesses

No new jobs created in 10 years

Sixth Economic Census Shows Working Class Declined By Over 5 Lakh

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The Sixth Economic Census released by Delhi government on Monday shows a worrisome employment scenario. It has now become evident that with no new jobs created in over a decade, joblessness is on the rise.

A comparison of the data with the previous economic census report shows that the working class across urban and rural areas declined significantly by over 5 lakh. In the 2005 census the number was over 35.56 lakh. Even though the population grew significantly over the past decade, the number of jobs based on data from 2013 reduced to 30.19 lakh in both urban and rural categories.

The economic census report has been put together by Delhi's directorate of economics and statistics in collaboration with Central Statistics Office.

The fourth and fifth economic census registered a growth of 8.49% and 0.23% per annum, respectively, in employment numbers. However, the sixth census shows a considerable decrease of 1.89% in number of people engaged in different entrepreneurial activities.

Data on the number of people working in the urban setup was 20,12,026 in 1990. It shot up to 34,15,104 in 1998, but increased marginally to 34,86,324 in 2005. The data from 2013 reflects a significant decline in jobs by over five lakh to 29,92,171 in the urban scenario.

The number of people working in different rural activities reflects a more drastic decline since agriculture activities have reduced over the decades in Delhi with more such areas turning urban.

The report underlines the fact that 30.2 lakh people (27,610 in rural and 29.9 lakh in urban areas) were working in 8.75 lakh businesses in Delhi during 2013 with an average of 3.45 workers per establishment. Out of 30.2 lakh total employees, about 3.8 lakh (12.5%) were female workers and 26.4 lakh (87.5%) male.

The economic census has also dedicated a chapter to women entrepreneurs. It states that women own 8.05% of the total number of private establishments in the city, but female employees constitute only 8.39% of the total workforce in the non-agricultural sector. Out of the total 8,75,308 private economic establishments, 70,434 are managed by women entrepreneurs.

The number of people engaged in those women-owned and managed establishments is 1,59,421, which is 5.28% of the total workers engaged in different economic activities.

"Under the women-owned establishments, as many as 99.14% are engaged in non-agriculture activities," the report states.

Of the total people engaged in rural areas, 85.44% were male and 14.56% female. Out of the total workers in urban areas, 91.61% were male and 8.39% female, the report adds.

CITY OF JOBS NOW ONE OF FEWER OPPORTUNITIES

The Sixth Economic Census (Delhi) has shown a considerable decrease (1.89%) in the number of people engaged in different entrepreneurial activities. The fourth and fifth economic census registered a growth of 8.49% and 0.23%, respectively, per annum

- The number of people working in urban areas declined by around five lakh in 2013 to **29,92,171**. In 1990, the number was **20,12,026**. It shot up to **34,15,104** in 1998 and changed marginally to **34,86,324** in 2005
- In rural areas, the number of working people plummeted to **27,610** in 2013. It was **72,516** in 1990, **85,768** in 1998 and **70,063** in 2005
- There were **8.75 lakh** establishments in 2013 as compared to **7.58 lakh** in 2005, registering an annual growth of **1.94%**
- Of the **8.75 lakh** enterprises, only **12,441 (1.4%)** were in rural areas and **8.63 lakh (98.6%)** in urban areas

7.96 lakh (91%) establishments were under private proprietorship. **4.70 lakh (53.7%)** worked outside households with fixed structure. The remaining **4.05 lakh (46.3%)** operated outside households

70,434 (8%) of total establishments were managed by women entrepreneurs employing around **1.6 lakh** people

7.9 lakh (90%) establishments employed 1-5 people, **57,200 (6.5%)** 6-9 workers, **29,101 (3.3%)** 10-99 and **1,516 (0.17%)** employed 100 or more

- An average of 3.45 people worked in every establishment. Out of 30.2 lakh total workers, **3.8 lakh (12.5%)** were female and **26.4 lakh (87.5%)** male
- **3.7 lakh** establishments **(42.3%)** were engaged in trade, followed by **1.56 lakh (17.8%)** in manufacturing activity, **72,572 (8.3%)** in transportation & storage and **48,051 (5.5%)** in accommodation & food service activities
- Manufacturing sector engaged maximum number of **10 lakh (33.2%)** people, followed by **8.6 lakh (28.4%)** in trade and **1.8 lakh (5.9%)** in transportation & storage
- **9,060** handicraft/ handloom establishments employed **35,553** people (an average of 3.8 workers per establishment)